grievances and complaints which related, *inter alia*, to personal and local grievances of government servants; demands of industrial employees for better service conditions; and various other local and administrative matters. Most of these demands had already been considered and disposed of. However, individual complaints were referred to the Administration for appropriate action, where necessary.

Central Wakf Council

2046. Shri Rameshwar Tantia: Will the Minister of **Petroleum and Chemicals** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Central Wakf Council has recommended the appointment of a Committee to examine the present state of religious education given to Muslims in the country;

(b) if so, the terms of reference of the Committee;

(c) what are the other suggestions made by the Council; and

(d) how far they are acceptable to Government?

The Minister of Petroleum and Chemicals (Shri Humayun Kabir): (a) Yes, Sir.

(b) The constitution of the Committee and its terms of reference are under consideration.

(c) A copy of the other resolutions passed by the Council is placed on the Table of the House. [*Placed in Library, see* No. LT-4153/65].

(d) The Central Government generally approve of the resolutions passed by the Council.

पूर्वी पाकिस्तान के शरणार्थी

2047. **श्री मधु लिमये :**
श्री किशन पटनायक :
श्री रामेश्वरानन्द :

क्या **पुनर्वास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश के विभाजन के बाद 31 दिसम्बर, 1963 तक त्रिपुरा के संघ राज्य क्षेत्र में पूर्वी पाकिस्तान से कुल कितने शरणार्थी आये; और

(ख) इनमें से कितने शरणार्थियों को बसाया जा चुका है और कितने अभी भी शरणार्थी शिविरों में हैं ?

पुनर्वास मंत्री (श्री त्यागी) : (क) लगभग 4 लाख ।

(ख) 9,883 व्यक्ति जो जायदादें तब्दील कर के आये थे उनके अलावा 192 व्यक्तियों को पी० एल० होमज़ पश्चिम बंगाल में भेज दिया गया था । 3.23 लाख विस्थापित व्यक्तियों को किसी न किसी रूप में पुनर्वास सहायता दी गई थी जो 31 दिसम्बर, 1963 तक आये थे, उनमें से कोई भी शिविरों में नहीं हैं ।

सिनेमाघरों में राष्ट्र गीत का गायन

2048. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री बड़े :
श्री ओंकार लाल बेरवा :

क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सिनेमाघरों में खेल के अन्त में राष्ट्रगीत के समय बहुत कम लोग रुकते हैं ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार चलचित्र आरम्भ होने से पूर्व और वृत्त-चित्र के अन्त में राष्ट्र गीत के गायन की व्यवस्था करने पर विचार करेगी, जिससे कि राष्ट्रगीत और राष्ट्र-ध्वज का सम्मान बना रहे; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?